टिळक महाराष्ट्र विद्यापीठ, पुणे

एम. ए. हिंदी (भाग–२)

डिसेंबर –२०११ परीक्षा

विषय : आधुनिक काव्य (H-201)

दिनांक : २०/१२/२०११ **कुलअंक : १००** **समय : दो.: २.०० से शाम. ५.००**

सूचनाएँ : १. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

२. सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।

पाठ्यपुस्तकें–१) कामायनी–जयशंकर प्रसाद

२) संशय की एक रात– नरेश मेहता.

३) ग्राम्या–सुमित्रानंदन पंत

४) दिशांतर–संपा. श्रीवास्तव/तिवारी

५) जहाँ शब्द है। डॉ. प्रभाकर माचवे (काव्य–संकलन)

प्रश्न १. अ) 'कामयानी' महाकाव्य की कथावस्तु को लिखते हुए उसकी सर्ग योजना पर प्रकाश डालिए। **(२०)**

अथवा

ब) 'संशय की एक रात' खंडकाव्य में चित्रित समस्याओं पर सविस्तार प्रकाश डालिए ।

प्रश्न २. अ) 'ग्राम्या' में चित्रित मानव जीवन के विभिन्न पहलुओं पर सोदाहरण प्रकाश डालिए। **(२०)**

अथवा

ब) डॉ. प्रभाकर माचवे का काव्य संग्रह 'जहाँ शब्द है' में संकलित कविताओं का सोदाहरण मूल्यांकन कीजिए।

प्रश्न ३.अ) 'दिशांतर' काव्य संग्रह में संकलित रघुवीर सहाय की कविताओं की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। **(२०)**

अथवा

ब) डॉ. प्रभाकर माचवे का काव्य संग्रह 'जहाँ शब्द है' में से 'पूजा' और 'बोध' कविता का सविस्तार मूल्यांकन कीजिए।

प्रश्न ४. निम्नलिखित में से किन्हीं दो अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए । **(२०)**

१) विश्व की दुर्बलता बल बने,
पराजय का बढता व्यापार
हँसाता रहें उसे सविलास
शक्ति का क्रिडामय संसार ।

२) लंका यदि ध्रुवपर भी होती ।
तो भाग नहीं पाती बंधु।
लक्ष्मण के पौरुष से।
कर्म की चुनौती मुझे स्वीकार है
अग्निकुंड की भी, पर
राम के माथे पर चिंता की रेखा?
देख नही सकता?

३) हाथ जोडे चौडे पंजों की
गूँथी अँगुलियों को कर सन्मुख,
मौन त्रस्त चितवन से
कातरवाणी से वह कहता निजदुख।

४) मगर जिंदगी न कभी
बासी हुई मित्रवर
वह न कभी बूढी
या उदासी हुई मित्रवर।

प्रश्न ५. किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए। **(२०)**

१) 'इडा' सर्ग।
२) 'संशयग्रस्त राम।
३) अज्ञेय की कविताओं की विशेषता ।
४) 'ग्राम्या' की कविताओं में प्रकृति चित्रण ।